



बीवी और साली के साथ सुहागरात-2

“उस रात मैंने मीना और सोनू को दो बार और चोदा, मैंने उनकी गान्ड मारने की भी असफल कोशिश कई बार की परन्तु आज मेरी शादी को पन्द्रह साल हो गए, परन्तु ना तो सोनू ने, ना ही मीना ने आज तक मुझे अपनी गान्ड पर हाथ रखने दिया। ...”

Story By: (vikki.1969)

Posted: Monday, January 8th, 2007

Categories: [जीजा साली की चुदाई](#)

Online version: [बीवी और साली के साथ सुहागरात-2](#)

बीवी और साली के साथ सुहागरात-2

मेरी कथा “बीवी और साली के साथ सुहागरात” का दूसरा भाग आप लोगों के लिए हाजिर है।

सुहागरात को पहले साली सोनू को चोदने के बाद अब मेरी बीवी मीना की नथ उतरने जा रही है :

लन्ड को मुँह में ले लो, थोड़ी देर में मूंगफ़ली से तोप बन जाएगा मेरी जान ! मैं बोला।

छ्त्री : यह कोई मुँह में लेने की चीज है ? घिन नहीं आएगी क्या ? मीना बोली।

इससे पहले मैं कुछ कहता, सोनू बोली- इसको मुँह में लेने का तो अपना अलग ही मजा है मेरी बहन ! अगर तुझे नहीं लेना तो मत ले, पर मैं यह मौका नहीं छोड़ने वाली ! तू तो अपनी बुर में ही ले लेना, चुसाई मैं कर लेती हूँ !

तेरी मर्जी, मैं तो यह नहीं करूँगी ! मुझे तो इसमें घिन आ रही है ! इस पर मीना बोली।

फ़िर मैंने अपनी पत्नी को पकड़ लिया और उसके होठों का चुम्बन लेने लगा। वो पहले ही इतनी गर्म हो चुकी थी कि ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ी और वह भी मुझे जोर जोर से चूमने लगी और मुझे कस कर पकड़ लिया। काफ़ी देर तक मैं उसके होठों को चूसता रहा, उसे भी अब इस सब में पूरा मजा आने लगा था।

मैंने फ़िर से उसकी ब्रा उतार दी... वाऊउउउ... उसकी चूचियाँ देख कर मैं तो चकित ही रह गया। छोटे छोटे सन्तरे के आकार की चूचियाँ और उसकी निप्पलों को नज़र ना लगे बिल्कुल मटर के दाने से भी छोटे। मैंने दस बारह मिनटों तक चूचियों को खूब दबाया।

उधर सोनू मेरा लंड मुँह में ले कर धड़ाधड़ चूसे जा रही थी। मेरा लन्ड एक बार फिर से एकदम खड़ा और कड़क हो कर बुर को दहाड़ मार मार कर बुलाने लगा था। मैं फिर भी उसकी चूचियाँ दबाने लगा था, जब मुझसे नहीं रहा गया तो मैंने उसकी साड़ी खोलनी शुरू कर दी। साड़ी खोल कर मैंने उसकी पैन्टी खींच ली और थोड़ी देर उसे देखने लगा। वाह चिकनी बुर थी, मैं उसकी बुर पर हाथ फेरने लगा परन्तु इस बार मैंने अपनी ऊँगली उसकी बुर में नहीं डाली क्योंकि मुझे डर था कि कहीं वह फिर से ना बिदक जाए, इसलिए मैं सिर्फ उसकी बुर को ऊपर से ही मसलता रहा।

उसके मुँह से अब .. आआहहह... ऊउउम्मम्म मम्मम... आईईईईईईई -सीईईईसीई.....
आआआ.... की आवाजें निकल रही थी।

उधर सोनू ने मेरे लन्ड को चूस-चूस कर बेदम कर रखा था, मीना की बुर का भी बुरा हाल हो गया था, उसकी बुर का मक्खन बह कर उसके चूतड़ों तक पहुँच चुका था। अब मुझे लग रहा था कि बुर पूरी तरह से लन्ड लेने के लिए बेकरार है। परन्तु बुर एकदम नई थी इसलिए मैंने सोचा कि इसे थोड़ा और तड़फ़ाया जाए ताकि पहली बार लन्ड लेने में इसकी गर्मी इसके दर्द के एहसास को कम कर दे।

मैं अब उसके चूचियाँ को पीने लगा, चूचियों को पीने मेरी पत्नी की हालत और खराब हो गई, सोनू भी अब मेरा लन्ड पीना छोड़ वहीं पर बैठ गई और हमारा खेल देखने लगी।

मैं अब उसकी चूचियों को और कस कर चूसने में लग गया। उसने भी मेरा लन्ड पकड़ कर सहलाना चालू कर दिया और मेरी बीवी अब काफ़ी हद तक गर्म हो चुकी थी, वह चुदवाने को बेकरार थी।

उसने मुझसे कहा- अब करते क्यों नहीं, जल्दी करो, अब नहीं रहा जा रहा !मेरी बुर में दर्द होने लगा है, डाल दो अब इसमें !

पर मैं उसकी चूचियों को चूसने में ही लगा हुआ था। तभी उसने मेरा लंड पकड़ा और अपनी बुर की तरफ़ ले जाने की कोशिश करने लगी।

मैं समझ गया कि अब तड़पाना अच्छा नहीं है। मैंने पलट कर उसकी दोनों टाँगों को फ़ैला दिया उसके ऊपर चढ़ गया। मैं धीरे-धीरे अपना लंड उसकी बुर में डालने की कोशिश करने लगा, परन्तु उसकी बुर का छेद इतना छोटा था कि मेरा सात इंच का लन्ड बार बार फ़िसल कर नीचे चला जा रहा था। अतः मैंने अपने दोनों हाथ उसके पैरों के नीचे से ले जाकर उसके दोनों पाँव ऊपर उठा लिए, जिससे उसकी बुर ऊपर की ओर उठ गई तथा लन्ड उसकी बुर के बिल्कुल सामने आ गया।

फ़िर मैंने ताकत लगा कर एक जोर का धक्का लगाया और लन्ड उसकी बुर फ़ाड़ता हुआ लगभग दो इंच लंड उसकी बुर में घुस गया। उसका मुँह खुल गया और आँख से पानी आ गया, वह जोर से चिल्लाई- आईईईईईई माँम्म्मम् म्माआआ...घुस्स्स् गया आआआ... मेरी बुर फ़...फ़...ट्ट्ट्ट्ट्ट गई !मरर गई !

वह इतनी जोर से चिल्लाई थी कि मुझे लगा शायद उसकी आवाज को पूरे घर ने सुना होगा, वह इतने जोर से चिल्लाएगी इसका मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था, वरना मैं पहले ही उसके मुँह पर हाथ रख लेता।

मैंने कुछ देर ऐसे ही पड़े रहने में अपनी भलाई समझी।

तुमने तो मार ही डालने का इरादा कर रखा है क्या ? आराम आराम से नहीं कर सकते क्या ? या यह कोई रबड़ का खिलौना है कि जैसे मर्जी वैसे तोड़ मरोड़ दिया ? वो लगभग रोते हुए बोली।

पर मैं बोला- मेरी इसमें क्या गलती है, तुम्हारी बुर है ही इतनी छोटी सी !मैंने तो अभी

अपना सुपारा ही तुम्हारी बुर के अन्दर डाला है, इसमें ही तुम्हारा यह हाल है तो पूरा लण्ड तुम्हारी बुर में जाएगा तो तुम्हारा क्या हाल होगा ? और पहली पहली बार है तो थोड़ा दर्द तो होगा ही ना, अभी थोड़ी देर में कहोगी कि जोर जोर से मारो, धीरे धीरे में मजा नहीं आ रहा !

थोड़ा दर्द होता तो मैं सह लेती, पर तुमने तो मेरी जान ही निकाल दी, थोड़ा धीरे चोदो, बुर भी तुम्हारी है और मैं भी तुम्हारी ही हूँ, एक रात में ही सारी जान निकाल दोगे तो बाकी दो चार रातों तक चुदवाने के लायक भी नहीं रहूँगी, फिर अपना लण्ड पकड़ कर बैठे रहना ! वो बोली ।

परन्तु मैं जानता था कि यह उसकी प्रथम चुदाई है ऐसा तो होना ही था, अभी थोड़ी देर बाद यह खुद ही जोर लगाने लगेगी और चूतड़ उछाल उछाल कर चुदवाएगी ।

मैंने धीरे-धीरे धक्के लगाने शुरू किए... आआहहह... ऊउम्मम मम्मम... आईईईईईईईई –
माँम्मम्म म्माआआ

... .. उसके मुँह से दर्द भरी परन्तु उत्तेजनापूर्ण आवाजें निकलने लगी । लगभग पाँच मिनट बाद जब मेरा पूरा लण्ड उसकी बुर में हिचकोले खाने लगा तो वह भी चूतड़ उछाल उछाल कर अपनी बुर में मेरा लण्ड लेने लगी ।

अब वह मेरे लण्ड को सुपारे से ले कर टट्टों तक उछल-उछल कर चुदवा रही थी । उधर मेरी साली की हालत दोबारा खराब हो गई थी वह एक हाथ से अपने हाथ से अपनी बुर को मींजे जा रही थी तथा दूसरे हाथ से अपनी चूचियों को दबाये जा रही थी तथा मुँह से उत्तेजनापूर्ण अजीब अजीब आवाजें आआहहह... ऊऊउउउम्मम मम्मम... आईईईईईईईई -
सीईईईईसीईई... आआ... निकाले जा रही थी । उसे देख कर लग रहा था कि वह अभी मेरी बीवी को हटा कर खुद चुदवाने की इच्छा रखती हो ।

इधर मैं मीना की बुर का बैन्ड बजाने में लगा हुआ था, बुर टाईट थी, लण्ड भी अटक अटक के जा रहा था, मैं अब अपनी पूरी ताकत लगा कर उसकी बुर में डाल रहा था, हर धक्के पर उसकी मुँह से हल्की हल्की चीख निकल रही थी- आईईईईईई -सीईईईसीई.....

आआआ.....

करीब दस पन्द्रह मिनट की चुदाई के बाद उसकी बुर अब पूरे मजे से मेरे लण्ड लील रही थी और वो- चोद डालो, फ़ाड डालो, आज पूरी तरह से फ़ाड दो मेरी बुर को, और जोर जोर से मारो, पूरा डाल दो मेरे राजा !

अचानक उसने मुझे अपनी पूरी ताकत से मुझे दबाना शुरू कर दिया, मैं समझ गया कि अब इसकी बुर ने पानी छोड़ देना है, मैंने भी अपने धक्कों की रफ़्तार पूरी बढ़ा दी। दो मिनट बाद उसकी पकड़ ढीली पड़ गई, उसकी बुर ने अपना पानी छोड़ दिया था।

करीब दस मिनट के बाद मेरा भी लण्ड झड़ने को हो गया। मैंने अपने धक्कों की रफ़्तार में और तेजी कर दी, आठ-दस धक्कों के बाद लण्ड की पिचकारी छुट पड़ी और सारा का सारा माल उसकी बुर में भरता चला गया। मैंने अपने हाथ उसकी टाँगों के नीचे से निकाले और उसके ऊपर ही लेट गया। मेरी और उसकी साँसे बड़ी तेजी से चल रही थी।

फ़िर वह उठी और बाथरूम में जा कर अपनी बुर को साफ़ करने लगी। पाँच मिनट बाद वो बाहर निकली तो उसके चाल में थोड़ा लचकपन था पर चेहरे पर सन्तुष्टि के भाव थे।

बाप रे, मेरी बुर तो सूज कर गोलगप्पा बन गई है ! मीना बोली।

उस रात मैंने मीना और सोनू को दो बार और चोदा, मैंने उनकी गान्ड मारने की भी असफल कोशिश कई बार की परन्तु आज मेरी शादी को पन्द्रह साल हो गए, परन्तु ना तो सोनू ने, ना ही मीना ने आज तक मुझे अपनी गान्ड पर हाथ रखने दिया। मैं भी इसी आशा में लगातार कोशिश करने में लगा हुआ हूँ कि कभी तो इन दोनों में से कोई मेरी बात मानेगी।

उसके बाद मैंने अपनी बाकी तीन सालियों की चुदाई कैसे की, उसके बारे में मैं बाद में बताऊँगा...

आप को मेरी कथा कैसी लगी, मुझे ई-मेल कर जरूर बताइएगा।

vikki.1969@gmail.com

Other stories you may be interested in

पति के दोस्तों के साथ मनायी सुहागरात

मेरी पिछली कहानी पति के बिना घर में एक रात में आपने पढ़ा कि मेरा पति रोहन अपने दोस्त के घर चला गया. उसने मुझे बताया कि वह अपने बाकी दोस्तों के साथ किसी दूसरे दोस्त की बीवी की चुदाई [...]

[Full Story >>>](#)

बेटे को बॉयफ्रेंड बना कर चुदवा लिया-5

चुदासी मम्मियों को और चोदू बेटों को मेरा नमस्कार. मैं कविता दुबे ... मुझे आप सभी के बहुत सारे संदेश आये, धन्यवाद सभी पाठकों को. मैंने अपनी कहानी के पिछले भागों में बताया कि कैसे मैंने अपने बेटे को पटाया [...]

[Full Story >>>](#)

मोटे लंड की प्यासी चूत और मेरा चोदू बाँस-1

मेरा नाम दीपिका है. मेरा कद 5 फीट 2 इंच है. मेरी शादी हो चुकी है. शादी होने पर मैंने तरह-तरह के सपने देखे थे मगर जैसा सोचा था वैसा कुछ नहीं हुआ. मुझे उम्मीद थी कि मेरा पति बहुत [...]

[Full Story >>>](#)

आपा का हलाला-10

आदाब दोस्तो, आपने मेरी कहानी 'आपा का हलाला' पर आप सब की ढेर सारी ईमेल भेजी, आप सबका इस प्यार के लिए बहुत शुक्रिया. इस लम्बी कहानी में आपने पढ़ा कि कैसे मैंने पहले नूरी खाला, फिर अपनी दुल्हन सारा, [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे हनीमून की यादें

आप सभी पढ़ने वालों और वालियों को मेरा नमस्कार। मेरी पिछली कहानियों पर मुझे काफी मेल्स मिले। कुछ ने नंबर पाने की भी चेष्टा की। माफ़ी चाहूंगा क्योंकि मैं खुद दुनिया के सामने नहीं आना चाहता। आप बस मेरी कहानियों [...]

[Full Story >>>](#)

